पाठ 1

सीखो

3JS9MD

प्रकृति की वस्तुओं से हम बहुत कुछ सीख सकते हैं। फूल हमें हँसना सिखाते हैं, भौंरे गुनगुनाना और दीपक हमें जलकर भी प्रकाश देना सिखाता है। हमें चाहिए कि हम प्रकृति की चीजों से सदा कुछ सीखते रहें।

फूलों से नित हँसना सीखो,
भौंरों से नित गाना।
तरु की झुकी डालियों से नित,
सीखो शीश झुकाना।।

सीख हवा के झोंकों से लो,
कोमल भाव बहाना।
दूध तथा पानी से सीखो,
मिलना और मिलाना।।

सूरज की किरणों से सीखो,
जगना और जगाना।
लता और पेड़ों से सीखो,
सबको गले लगाना।।

मछली से सीखो,
स्वदेश के लिए तड़पकर मरना।
पतझड़ के पेड़ों से सीखो,
दुख में धीरज धरना।।

दीपक से सीखो,
जितना हो सके अँधेरा हरना।
पृथ्वी से सीखो प्राणी की,
सच्ची सेवा करना।।

जलधारा से सीखो,
आगे जीवन–पथ में बढ़ना।
और धुएँ से सीखो,
हरदम, ऊँचे ही पर चढ़ना।।

शब्दार्थ

तरु	=	पेड़, वृक्ष	धीरज	=	धैर्य
शीश	=	सिर	स्वदेश	=	अपना देश
नित	=	रोज			

नीचे कुछ शब्दों के अर्थ नहीं लिखे हैं। उन शब्दों के अर्थ कोष्ठक में से छाँटकर लिखो।

जलधारा – ——————————

हरदम – ——————————

पथ – ——————————

(हमेशा, रास्ता, बहता पानी)

प्रश्न और अभ्यास

प्र.1. फूलों से हम क्या सीख सकते हैं?

प्र.2. सूरज की किरणें हमें क्या संदेश देती हैं ?

प्र.3. दीपक दिन–रात जलकर हमें क्या सिखाता है ?

प्र.4. जलधारा हमें क्या सिखाती है ?

प्र.5. ये बातें हमें कौन सिखाता है?

क– जगना और जगाना

ख– मिलना और मिलाना

ग– नित्य गाना

घ– जीवन–पथ में आगे बढ़ना

ङ– हरदम ऊँचे पर ही चढ़ना।

प्र.6. दीपक हमें प्रकाश देता है, ये चीजें हमें क्या देती हैं ?

मधुमक्खी .....

पेड़ .....

मिट्टी .....

बादल .....

प्र.7. तुम रोज सुबह कितने बजे उठते हो ?

प्र.8. तुम घर के किन कामों में अपनी माँ या बड़ों की मदद करते हो ?

भाषा–अध्ययन एवं व्याकरण

• शिक्षक श्रुतिलेख के रूप में एक पद बोलेंगे, विद्यार्थी लिखेंगे। बाद में अभ्यास –पुस्तिकाएँ अदल–बदलकर विद्यार्थी जाँचेंगे।

प्र.1. इस कविता में आए उन शब्दों को लिखो, जिनकी तुक मिलती हो, जैसे बढ़ना–चढ़ना।

प्र.2. समान अर्थवाले शब्दों की जोड़ी बनाकर लिखो।

सुमन	पृथ्वी
वृक्ष	सूरज
वायु	फूल
रवि	पवन
धरा	तरु

प्र.3. पढ़ो, समझो और लिखो।

जगना	जगाना
मिलना	.....
झुकना	.....

योग्यता विस्तार

- **सोचो, यदि ऐसा हो तो क्या होगा?**
- हवा न बहे।
- सूरज न उगे।
- पेड़ न हों।
- दीपक जलकर रोशनी न करे।
- अपने आस–पास ध्यान से देखो कि वहाँ क्या–क्या है? फिर उनके नाम इस तालिका में लिखो। और उनमें से जो तुम्हें पसंद हो, उनके चित्र बनाओ ।

फूलों के पौधे	वृक्ष	लताएँ	जलधारा / नदी

शिक्षण–संकेत

- कविता को लय और गति के साथ पढ़ाएँ।
- दो–दो पंक्तियाँ अलग–अलग विद्यार्थियों से पढ़वाएँ और उनके अर्थ पूछें।
- प्रकृति के बारे में बच्चों से चर्चा करें एवं उनके अनुभव सुनें ।